संसदीय कार्य एवं
खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं
उपभोक्ता मामले विभाग
झारखण्ड सरकार

झारखण्ड सरकार

झारखण्ड मंत्रालय
प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, राँची
आवास : एफ-टाईप, पी.डब्ल्यू.डी. (I3)
डोरण्डा, राँची
मो० : 9431114466

पत्रांक 196/मंत्री कोषांग

दिनांक 31-03-2016

माननीय मुख्यमंत्री,

झारखण्ड लोक सेवा आयोग एवं झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा प्रणाली की समीक्षा हेतु गठित उच्चस्तरीय समिति का प्रतिवेदन अग्रेत्तर कारवाई हेतु संलग्न है।

(सरयू राय)

सेवा में,
श्री रघुवर दास,
माननीय मुख्यमंत्री,
झारखण्ड सरकार, रॉंची।

झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा प्रणाली की समीक्षा हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक की कार्यवाही

मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (संसदीय कार्य) के संकल्प संख्या 259 दिनांक 02.03.2016 द्वारा झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा प्रणाली की समीक्षा हेतु निम्नलिखित संरचनायुक्त एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है :–

i)	माननीय मंत्री, श्री सरयू राय, संसदीय कार्य विभाग	अध्यक्ष
ii)	श्री आलमगीर आलम, माननीय स0वि0स0	सदस्य
iii)	श्री स्टीफन मरांडी, माननीय स0वि0स0	सदस्य
iv)	श्री प्रदीप यादव, माननीय स0वि0स0	सदस्य
v)	श्री राधाकृष्ण किशोर, माननीय स0वि0स0	सदस्य
vi)	श्री राजकिशोर महतो, माननीय स0वि0स0	सदस्य

समिति को मुख्य रूप से झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं की प्रणाली की समीक्षा राज्यहित तथा राज्य के व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए करनी है और सरकार को इस संबंध में सुझाव देना है। अतः समिति द्वारा झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रथम परीक्षा से लेकर षष्ठम् परीक्षा तक की परीक्षा प्रणाली एवं उक्त परीक्षाओं के पाठ्यक्रम की समीक्षा के साथ–साथ झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जा रही परीक्षाओं की प्रणाली की समीक्षा करने की आवश्यकता महसूस की गई।

इस क्रम में उच्च स्तरीय समिति की चार बैठकें क्रमशः 09.03.2016, 10.03.2016, 14.03.2016 एवं 15.03.2016 को आहूत की गई, जिनमें माननीय सदस्य श्री आलमगीर आलम, श्री स्टीफन मरांडी एवं श्री प्रदीप यादव प्रथम दो बैठकों में सम्मिलित हुए, परंतु दिनांक 14.03.2016 एवं 15.03.2016 की बैठकों में उपर्युक्त सदस्य अनुपस्थित रहे। माननीय सदस्य श्री राजकिशोर महतो दिनांक 10.03.2016 को छोड़कर तीन बैठकों में तथा अन्य सभी सदस्य सभी बैठकों में सम्मिलित हुए।

क) झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाएं

1. भारत का संविधान के अनुच्छेद 315 (1) के अनुसरण में प्रत्येक राज्य के लिए एक लोक सेवा आयोग गठित की जानी है। बिहार पुनर्गठन अधिनियम के अधीन झारखंड राज्य दिनांक 15.11.2000 से गठित हुआ। अतः उपर्युक्त संवैधानिक प्रावधान के आलोक में झारखंड राज्य के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग, कार्मिक विभाग के संकल्प ज्ञापांक 17/SC दिनांक 19.01.2001 (अनु0 – 1) द्वारा गठित किया गया। इसके उपरांत झारखंड प्रशासनिक सेवा के लिए आयोग द्वारा संचालित होने वाली परीक्षाओं (प्रारम्भिक एवं मुख्य) का पाठ्यक्रम कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या 6525 दिनांक 30.11.2002 (अनु0 – 2) द्वारा अनुमोदित किया गया। यह पाठ्यक्रम मौलिक रूप से स्नातक स्तरीय राजपत्रित पदों की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार किया गया था। प्रारम्भिक परीक्षा में निम्नलिखित दो पत्रों की परीक्षा उम्मीदवारों को देनी थी :–

प्रथम पत्र	सामान्य अध्ययन	100 अंक
द्वितीय पत्र	वैकल्पिक विषयों के समूह में से कोई एक विषय, जिसका चयन उम्मीदवार द्वारा किया जायेगा, परंतु इसमें भाषा एवं साहित्य के पत्र सम्मिलित नहीं होंगे।	200 अंक

Scanned with OKEN Scanner

2. प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए अपनी पसन्द से किन्हीं दो वैकल्पिक विषयों का चयन कर सकते थे। वैकल्पिक विषयों की परीक्षा दो पत्रों में ली जानी थी, जिसमें प्रत्येक पत्र के लिए 200-200 अंक निर्धारित किये गये थे। मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय के रूप में अन्य विषयों के अतिरिक्त निम्नलिखित छः भाषा एवं साहित्य विषयों को शामिल किया गया था :-

क) हिन्दी भाषा एवं साहित्य
ख) अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य
ग) उर्दू भाषा एवं साहित्य
घ) बांगला भाषा एवं साहित्य
ड़) संस्कृत भाषा एवं साहित्य
च) उड़िया भाषा एवं साहित्य

3. एक पूरक पाठ्यक्रम के माध्यम से स्नातक स्तरीय राजपत्रित पदों की संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा हेतु मुख्य परीक्षा में निम्नलिखित जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं को भी वैकल्पिक विषय के रूप में सम्मिलित किया गया (अनु0 – 3) :-

क) संथाली भाषा एवं साहित्य
ख) मुण्डारी भाषा एवं साहित्य
ग) खड़िया भाषा एवं सांहित्य
घ) हो भाषा एवं साहित्य
ड़) कुडुख भाषा एवं साहित्य
च) नागपुरी भाषा एवं साहित्य
छ) कुरमाली भाषा एवं साहित्य
ज) खोरठा भाषा एवं साहित्य

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प ज्ञापांक 2719 दिनांक 19.05.2004 (अनु0 – 4) के माध्यम से उपर्युक्त जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के अतिरिक्त पंचपरगनिया भाषा को झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा असैनिक सेवा में नियुक्ति हेतु आयोजित संयुक्त (मुख्य) परीक्षाओं में एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय झारखंड सरकार द्वारा लिया गया।

4. इस पाठ्यक्रम के आधार पर झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित परीक्षाएं आयोजित की गई :-

क्र0	परीक्षा का नाम	प्रारम्भिक परीक्षा की तिथि	मुख्य परीक्षा की तिथि	अनुशंसा की तिथि
01	प्रथम संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा	17.08.2003 पुनर्परीक्षा 18.01.2004	23.06.2005 से 07.07.2005 तक	31.03.2006
02	द्वितीय संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा	28.05.2005	03.02.2007 से 18.02.2007 तक	15.04.2008
03	तृतीय संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा	17.02.2008	18.11.2008 से 05.12.2008 तक	02.08.2010
04	चतुर्थ संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा	23.03.2011	25.05.2012 से 15.06.2012 तक	10.12.2012

Scanned with OKEN Scanner

5. पंचम संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा

पंचम संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम आने के पूर्व ही राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के अनुरूप झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं का पाठ्यक्रम निर्धारित करने की मांग विभिन्न स्तरों पर उठने लगी थी। सरकार एवं आयोग के द्वारा भी संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के पाठ्यक्रम की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी। तदहेतु झारखंड लोक सेवा आयोग के पत्रांक 930 दिनांक 24.03.2012 (अनु0 – 5) द्वारा श्री विजय शंकर दूबे, भा0प्र0से0 (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, झारखंड की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित कर दी गई थी। समिति का प्रतिवेदन आने में समय लगने की संभावना थी तथा झारखंड राज्य में पदाधिकारियों की कमी हो गई थी, जिससे राज्यहित एवं जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। साथ ही राज्य के युवा वर्ग की नौकरी में प्रवेश में आयु समाप्त हो रही थी। इस कारण से विभिन्न समूहों द्वारा लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं शीघ्र आयोजित करने की मांग हो रही थी। इस परिप्रेक्ष्य में झारखंड लोक सेवा आयोग के स्तर पर संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा की प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में संशोधन पर विचार करते हुए तत्संबंधी अनुशंसा अध्यक्ष के पत्रांक 73/C दिनांक 11.10.2012 (अनु0 – 6) द्वारा सरकार से की गई। अन्ततः सभी पहलूओं पर विचारोपरांत 5वीं संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में संशोधन कार्मिक विभाग की अधिसूचना संख्या 13715 दिनांक 14.12.2012 (अनु0 – 7) द्वारा निर्गत किया गया। इसके अनुसार प्रारंभिक परीक्षा में वैकल्पिक विषय की परीक्षा को समाप्त करते हुए प्रारम्भिक परीक्षा के दोनो पत्रों में सामान्य अध्ययन की परीक्षा लेने का प्रावधान किया गया। इसका स्वरूप निम्नवत निर्धारित किया गया :–

i) General Studies Paper - I
   a) History of India and Indian National Movement
   b) India and World Geography
   c) Indian Polity and Economy
   d) History, Geography, Economy and Culture of Jharkhand

ii) General Studies Paper - II
   a) General Science
   b) General Mental Ability
   c) Current Events of State, National and International Importance.

मुख्य परीक्षा का स्वरूप पूर्ववत रखा गया।

6. **षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा**

राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को दृष्टिपथ में रखते हुए सिविल सेवकों के चयन निमित्त आयोजित परीक्षा की पद्धति में परिवर्तन के लिए झारखंड लोक सेवा आयोग के पत्रांक 930 दिनाक 24.03.2012 (अनु0 – 5) द्वारा श्री विजय शंकर दूबे, भा0प्र0से0 (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, झारखंड की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित की जा चुकी थी। इस समिति की संरचना निम्नवत रखी गई थी :–

क)	श्री विजय शंकर दूबे, भा0प्र0से0 (सेवानिवृत्त) पूर्व मुख्य सचिव, झारखंड।	अध्यक्ष
ख)	डा0 ए0 ए0 खान, पूर्व कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, रांची	सदस्य
ग)	डा0 जेवियर, निदेशक, आई0आई0एम0, रांची	सदस्य
घ)	डा0 बी0 देवराय, अर्थशास्त्री पूर्व निदेशक राजीव गांधी फाउन्डेशन	सदस्य
ङ)	प्रो0 रमेश शरण, अर्थशास्त्र विभाग, रांची विश्वविद्यालय, रांची	सदस्य
च)	सिस्टर ज्योति, प्रभारी प्राचार्य, निर्मला कॉलेज, रांची	सदस्य
छ)	श्री बी0 एम0 झा, सचिव, झारखंड लोक सेवा आयोग	सदस्य सचिव

Scanned with OKEN Scanner

उक्त समिति द्वारा विमर्शोपरांत अपना प्रतिवेदन झारखंड लोक सेवा आयोग को दिनांक 02.04.2013 को समर्पित किया गया। विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा को राज्य सरकार द्वारा कार्मिक विभाग की अधिसूचना संख्या 9477 दिनांक 25.09.2013 (अनु0 – 8) के माध्यम से अनुमोदित करते हुए षष्ठम् संयुक्त असैनिक प्रतियोगिता परीक्षा उपर्युक्त पुनरीक्षित पद्धति से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके माध्यम से झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा अपनायी गई पूर्ववर्त्ती परीक्षा पद्धति को पूर्णतः समाप्त करते हुए निम्नलिखित व्यवस्था की गई :–

- प्रारंभिक परीक्षा का नामकरण Civil Services Aptitude Test (CSAT Paper - I & II) करते हुए प्रत्येक पत्र के लिए 200–200 अंक निर्धारित किये गये।
- प्रथम पत्र की परीक्षा सामान्य अध्ययन की परीक्षा के रूप में रखी गई, जिसके अधीन History of India, Geography of India, Indian Polity and Governance, Economic and Sustainable Development, Science and Technology, Jharkhand Specific Questions (its history, society, culture and heritage), National and International Current Events, General Question of Misc. Nature आदि की परीक्षा लेने की व्यवस्था की गई।
- द्वितीय पत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा की परीक्षा के साथ–साथ Basic Numeracy, General Mental Ability, Logical Reasoning and Analytical Ability, Communication Skills, Decision Making and Problem Solving आदि विषयों की परीक्षा लेने की व्यवस्था की गई।
- प्रारंभिक परीक्षा के दोनो पत्रों की परीक्षा में बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछने का प्रावधान रखा गया।
- मुख्य परीक्षा में कोई वैकल्पिक विषय नहीं रखा गया। अर्थात सभी अभ्यर्थियों के लिए समान विषयों की परीक्षा देने का प्रावधान रखा गया। प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा का स्वरूप निम्नवत रखा गया :–

Revised Scheme of Examination for Civil Services (Subjects)	Duration (Hour)	Maximum Marks	Minimum Qualifying Marks	Remarks
(A) PRELIMINARY EXAMINATION (Screening Test)				
CSAT - Paper I	2 hours	200	Nil	Objective Type
CSAT - Paper II	2 hours	200	Nil	Objective Type
(B) MAIN EXMIANATION (No optional subject. All are common compulsory papers)				
Paper - I : General Hindi & General English	3 hours	100	Nil	Descriptive Type
Paper - II : Language and Literature	3 hours	100	Nil	Descriptive Type
Paper - III : Social Sciences	3 hours	200	Nil	Descriptive Type
Paper - IV : Indian Constitution & Polity, Public Administration & Good Governance	3 hours	200	Nil	As Above
Paper - V : Indian Economy, Globalization and Sustainable Development	3 hours	200	Nil	As Above
Paper - VI : General Sciences, Environment & Technology Development	3 hours	200	Nil	As Above
Total Marks (Main Examination)	-	1000	At the discretion of the Commission	-
Personality Test	-	100	Nil	-
Grand Total	-	1100	Nil	-

Scanned with OKEN Scanner

- मुख्य परीक्षा के Paper – II Language and Literature (भाषा एवं साहित्य) के अंतर्गत कंडिका 2 एवं 3 में अंकित सभी भाषाओं को सम्मिलित किया गया है। अभ्यर्थी अपनी पसन्द से किसी एक भाषा का चयन करते हुए तत्संबंधी विषय की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
- परीक्षा की यह प्रणाली झारखंड लोक सेवा आयोग की षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा से प्रभावी की गई है।

7. इस नये सिलेबस के अनुसार पहली परीक्षा षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित होनी थी। विगत विधान सभा सत्र में षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता की प्रारम्भिक परीक्षा से Civil Services Aptitude Test (CSAT) को समाप्त करने की मांग उठी। इसपर सरकार द्वारा विधान सभा में दिये गये आश्वासन के क्रियान्वयन में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की एक समिति कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या 8006 दिनांक 03.09.2015 (अनु० – 9) द्वारा गठित की गई। इस समिति में कार्मिक विभाग एवं योजना–सह–वित्त विभाग के सचिव/प्रधान सचिव को सदस्य बनाया गया। उक्त समिति की अनुशंसा पर विचार करते हुए सरकार द्वारा कार्मिक विभाग की अधिसूचना संख्या 8315 दिनांक 16.09.2015 (अनु० – 10) के माध्यम से निम्नलिखित निर्णय लिये गये :–

क) षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा से Civil Services Aptitude Test (CSAT) के द्वितीय पत्र को वापस ले लिया गया तथा Civil Services Aptitude Test (CSAT) का नाम विलोपित करते हुए प्रारंभिक विषय के परीक्षा का नाम सामान्य अध्ययन रखा गया।

ख) षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के लिए Upper Age limit की गणना हेतु दिनांक 01.08.2010 एवं Lower Age Limit की गणना हेतु दिनांक 01.08.2015 को cut off date निर्धारित किया गया।

ग) बिहार एवं अन्य राज्यों के अनुरूप संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनुमान्य अवसर की सीमा को समाप्त कर दिया गया।

घ) संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में साक्षात्कार के लिए न्यूनतम अर्हतांक की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया।

8. पंचम संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन करते हुए नियुक्ति की अनुशंसा झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा सभी विभागों को भेजी जा चुकी है। साथ ही षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित किये जा चुके हैं तथा इसकी प्रारम्भिक परीक्षा की तिथि आयोग द्वारा 17.04.2016 निर्धारित की जा चुकी है। अतः पंचम संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा एवं षष्ठम् संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के पाठ्यक्रम में किसी तरह का संशोधन किया जाना वैधानिक दृष्टि से उचित प्रतीत नहीं होता है।

झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में समिति की अनुशंसा

1. अनुशंसा गठन के क्रम में समिति द्वारा पूर्व की परीक्षाओं के पाठ्यक्रम का अध्ययन किया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि राज्य की सभी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाएं झारखंड लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा के वैकल्पिक विषयों के रूप में सम्मिलित थीं। इनमें से किसी एक का चयन उम्मीदवार अपनी पसन्द के अनुसार कर सकते थे तथा उस भाषा एवं साहित्य की परीक्षा में शामिल हो सकते थे। वैकल्पिक विषयों के दोनो पत्रों में 200–200 अंक कुल 400 अंक निर्धारित थे।

Scanned with OKEN Scanner

2. [illegible] संस्था के प्रतिवेदन के आधार पर निर्धारित पाठ्यक्रम में मुख्य परीक्षा के द्वितीय पत्र में राज्य की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाएं झारखंड लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा के वैकल्पिक विषय के रूप में सम्मिलित तो की गई हैं, किन्तु इस पत्र में 100 अंक निर्धारित किया गया है।

3. अतः राज्यहित एवं जनहित के सभी पहलूओं पर विचार करते हुए समिति द्वारा निम्नलिखित अनुशंसा गठित की गई है :–

i) संसूचित रिक्तियों का 15 गुणा अभ्यर्थियों का चयन संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा के प्रारम्भिक परीक्षा से मुख्य परीक्षा के लिए किया जाय।

ii) प्रारम्भिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन पत्र (प्रथम पत्र) में History of India, Geography of India, Indian Polity and Governance, Economic and Sustainable Development, General Science and its application, National and International Current Events, General Question of Misc. Nature से संबंधित प्रश्न पूछे जाएं।

iii) प्रारम्भिक परीक्षा में 200 अंक का सामान्य अध्ययन का द्वितीय पत्र सम्मिलित किया जाय। इसमें Jharkhand Specific Questions (its history, society, culture and heritage) आदि से संबंधित प्रश्न पूछे जाएं तथा इसके लिए झारखंड लोक सेवा आयोग पाठ्यक्रम निर्धारित करें।

iv) संयुक्त असैनिक सेवा मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के पेपर – II Language and Literature (भाषा एवं साहित्य) विषय की परीक्षा के अंक 100 से बढ़ाकर 200 किये जाएं। तदनुसार मुख्य परीक्षा के सभी पत्रों का योगफल 1000 से बढ़कर 1100 अंक हो जाएगा। 150

v) उपर्युक्त परीक्षा की मुख्य परीक्षा से संबंधित तृतीय पत्र समाजिक विज्ञान (Social Science) में झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान विषयक 40% अंकों के प्रश्न पूछे जाएं।

vi) मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विषय में अंग्रेजी व्याकरण से संबंधित प्रश्न भी रखे जाएं।

vii) प्रारम्भिक परीक्षा के OMR Sheet की कार्बन कॉपी अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा विकसित की जाय।

viii) झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसी व्यवस्था बनाने पर विचार किया जाय, जिससे मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले किसी भी अभ्यर्थी का आवेदन/उत्तर पुस्तिका तकनीकी कारणों (Technical Ground) पर रद्द नहीं हो।

ख) *झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाएं*

1. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाओं के स्वरूप पर विचारण से स्पष्ट हुआ कि आयोग के माध्यम से अराजपत्रित पदों पर नियुक्ति के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। इन पदों की शैक्षणिक योग्यता स्नातक/इंटरमीडिएट/डिप्लोमा/मैट्रिक है।

2. राज्य में विभिन्न अवर सेवाओं/संवर्गों की नियमावलियाँ गठित की गई हैं तथा इनमें सेवा/संवर्ग के अधीन नियुक्ति की पद्धति भी विहित की गई है। इनके आधार पर झारखंड सचिवालय के अंतर्गत सहायक/आशुटंकक/निम्न वर्गीय लिपिक, परिवहन विभाग के अंतर्गत मोटर यान निरीक्षक, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत महिला पर्यवेक्षिका एवं अन्य कई पदों पर नियुक्ति की परीक्षाएं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की गई हैं तथा अनुशंसा के बाद अभ्यर्थी नियुक्त भी हुए हैं।

3. सरकार द्वारा यह अनुभव किया गया कि प्रत्येक पद के लिए अलग–अलग परीक्षा आयोजित करने से सरकार के समय एवं संसाधन की हानि होती है तथा रिक्तियों को भरने में काफी समय लग जाता

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] संबंधित [illegible] में सभी आवश्यक पदों पर [illegible] की आवश्यकता सरकार द्वारा [illegible]
अतः नियोजन की कार्रवाई को त्वरण देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा समान शैक्षणिक योग्यता वाले पदों के लिए एक परीक्षा आयोजित करने निमित्त विभिन्न शैक्षणिक स्तरों के पदों के लिए अलग–अलग परीक्षा संचालन नियमावलियाँ एवं पाठ्यक्रम गठित की गई हैं।

4. उपर्युक्त के आलोक में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा स्नातक शैक्षणिक योग्यता वाले पदों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त कर लिये गये हैं तथा इंटरमीडिएट शैक्षणिक योग्यता वाले पदों के लिए आवेदन दिनांक 20.03.2016 से दिनांक 19.04.2016 तक आमंत्रित किये गये हैं।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में समिति की अनुशंसा

1. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में सभी पहलूओं पर समिति द्वारा विचार किया गया। इससे स्पष्ट हुआ कि स्नातक स्तरीय पदों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त कर लिये गये हैं। अतः इस सोपान पर स्नातक स्तर के पदों की परीक्षा के पाठ्यक्रम में कोई परिवर्तन किया जाना वैधारिक कारणों से उचित प्रतीत नहीं होता है, परंतु स्नातक स्तर की आगामी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में परिवर्तन हो सकता है।

2. इंटरमीडिएट शैक्षणिक योग्यता वाले पदों के लिए अभी आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अतः नये सिरे से विज्ञापन प्रकाशित करते हुए उक्त परीक्षा के पाठ्यक्रम में कोई बदलाव किया जा सकता है।

3. डिप्लोमा स्तर एवं मैट्रिक स्तर के पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अबतक प्रारंभ नहीं की गई। अतः ऐसे पदों पर नियुक्ति के लिए विहित पाठ्यक्रम में संशोधन हो सकता है।

4. तदनुसार झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का पाठ्यक्रम निम्नवत् रखने की अनुशंसा समिति द्वारा गठित की गई है :–

i. परीक्षा का स्तर – **स्नातक स्तर**

वर्तमान पाठ्यक्रम	अनुशंसित पाठ्यक्रम
प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है। सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान – 30 प्रश्न कुल – 150 प्रश्न	प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कुल – 120 प्रश्न
मुख्य परीक्षा – *पत्र – 1* हिन्दी भाषा ज्ञान – 75 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 75 प्रश्न कुल – 150 प्रश्न 40% अर्हतांक एवं उससे अधिक प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए जोड़ने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटा निर्धारित है। भाषा ज्ञान से संबंधित द्वितीय पत्र की परीक्षा का प्रावधान वर्तमान प्रभावी नियमावली में नहीं है।	मुख्य परीक्षा – *पत्र – 1* हिन्दी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न कुल – 120 प्रश्न इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30% अर्हतांक निर्धारित रहेगा। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी। **पत्र – 2** हिन्दी / अंग्रेजी / संथाली / बंगला / मुण्डारी / हो /

Scanned with OKEN Scanner

	खड़िया / कुड़ुख (उराँव) / कुरमाली / खोरठा / नागपुरी / पंचपरगनिया / उड़ीया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 120 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे रहेगी।
पत्र – 2 सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर का ज्ञान – 20 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न** परीक्षा की अवधि दो घंटा निर्धारित है।	पत्र – 3 सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 40 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर का ज्ञान – 20 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न** परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी।

ii. परीक्षा का स्तर – **इंटरमीडिएट (10 + 2) स्तर**

वर्तमान पाठ्यक्रम	अनुशंसित पाठ्यक्रम
प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है। सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान – 20 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न**	प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न**
मुख्य परीक्षा – ***पत्र – 1*** हिन्दी भाषा ज्ञान – 80 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 40 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** 40% अर्हतांक एवं उससे अधिक प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए जोड़ने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटा निर्धारित है। भाषा ज्ञान से संबंधित द्वितीय पत्र की परीक्षा का प्रावधान वर्तमान प्रभावी नियमावली में नहीं है। पत्र – 2 सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न	मुख्य परीक्षा – ***पत्र – 1*** हिन्दी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30% अर्हतांक निर्धारित रहेगा। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी। **पत्र – 2** हिन्दी / अंग्रेजी / संथाली / बंगला / मुण्डारी / हो / खड़िया / कुड़ुख (उराँव) / कुरमाली / खोरठा / नागपुरी / पंचपरगनिया / उड़ीया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 120 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे रहेगी। पत्र – 3 सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 40 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 10 प्रश्न

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] कुल — 120 प्रश्न परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है।	[illegible] — 10 प्रश्न [illegible] — 10 प्रश्न कुल — 120 प्रश्न परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी।

iii. परीक्षा का स्तर – डिप्लोमा (अभियंत्रण) स्तर

वर्तमान पाठ्यक्रम	अनुशंसित पाठ्यक्रम
प्रारम्भिक परीक्षा – **पत्र – 1** हिन्दी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** 30% अर्हतांक एवं उससे अधिक प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए जोड़ने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है। **पत्र – 2** सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान – 20 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है।	प्रारम्भिक परीक्षा – ***पत्र – 1*** हिन्दी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 60 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30% अर्हतांक निर्धारित रहेगा। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी। **पत्र – 2** सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे की होगी। सामान्य अध्ययन – 35 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 35 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 20 प्रश्न कम्प्यूटर से संबंधित ज्ञान – 20 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न**
मुख्य परीक्षा – इस परीक्षा के अंतर्गत अभियंत्रण विषयों की परीक्षा लेने का प्रावधान किया गया है।	मुख्य परीक्षा – इस परीक्षा के विषयों को यथावत रखा जाए।

iv. परीक्षा का स्तर – **मैट्रिक स्तर**

वर्तमान पाठ्यक्रम	अनुशंसित पाठ्यक्रम
प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित है। सामान्य अध्ययन – 60 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 10 प्रश्न कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान – 10 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न**	प्रारम्भिक परीक्षा – सामान्य ज्ञान से संबंधित इस परीक्षा में निम्नलिखित विषयों से संबंधित बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटा तीस मिनट होगी। सामान्य अध्ययन – 30 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 40 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 10 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न**
मुख्य परीक्षा – ***पत्र – 1*** हिन्दी भाषा ज्ञान – 100 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 50 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न** 30% अर्हतांक एवं उससे अधिक प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए जोड़ने का प्रावधान किया गया है। परीक्षा की अवधि दो घंटा निर्धारित है।	मुख्य परीक्षा – ***पत्र – 1*** हिन्दी भाषा ज्ञान – 80 प्रश्न अंग्रेजी भाषा ज्ञान – 40 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30% अर्हतांक निर्धारित रहेगा। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा। परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी।

Scanned with OKEN Scanner

[illegible] से संबंधित [illegible] पत्र की परीक्षा का प्रावधान वर्तमान प्रभावी नियमावली में नहीं है। पत्र – 2 सामान्य अध्ययन – 60 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 30 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 20 प्रश्न मानसिक क्षमता जांच – 10 प्रश्न कम्प्यूटर का ज्ञान – 10 प्रश्न **कुल – 150 प्रश्न** परीक्षा की अवधि दो घंटा निर्धारित है।	पत्र – 2 हिन्दी / अंग्रेजी / संथाली / बंगला / मुण्डारी / हो / खड़िया / कुडुख(उरॉव) / कुरमाली / खोरठा / नागपुरी / पंचपरगनिया / उड़ीया में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 120 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षा की अवधि दो घंटे रहेगी। पत्र – 3 सामान्य अध्ययन – 40 प्रश्न झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान – 50 प्रश्न सामान्य विज्ञान – 20 प्रश्न सामान्य गणित – 10 प्रश्न **कुल – 120 प्रश्न** परीक्षा की अवधि दो घंटे निर्धारित रहेगी।

झारखंड राज्य से संबंधित ज्ञान खण्ड के अधीन झारखंड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, कला, पर्यटन, स्वतंत्रता आंदोलन में झारखंड का योगदान, झारखंड की भाषाएं एवं साहित्य, स्थान, खनिज, उद्योग तथा खेल–खिलाड़ी से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे, जो संबंधित शैक्षणिक स्तर के अभ्यर्थियों को जानना आवश्यक हो।

भाषा ज्ञान से संबंधित पत्रों की परीक्षा का स्तर सभी परीक्षाओं के लिए सामान्यतः झारखंड अधिविद्य पर्षद द्वारा मैट्रिक (दसवीं) की परीक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप होगा, परंतु जो भाषाएं मैट्रिक स्तर पर पढ़ाई नहीं जाती हों, उनका पाठ्यक्रम सरकार द्वारा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के परामर्श से निर्धारित किया जायेगा।

अन्य खण्डों के पाठ्यक्रम वहीं होंगे, जो संबंधित नियमावलियों में निर्धारित किये गये हैं।

5. चूँकि स्नातक शैक्षणिक स्तर के पदों के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जा चुके हैं, अतएव इस स्तर से पदों के लिए उपर्युक्त संशोधित पाठयक्रम आगामी परीक्षा से प्रभावी किया जाय।

6. इंटरमीडिएट शैक्षणिक स्तर के पदों की परीक्षा नये पाठयक्रम के अनुसार आयोजित की जाय एवं इसके आवेदन प्राप्त करने की तिथि में परिवर्तन किया जाय।

7. मैट्रिक शैक्षणिक स्तर के जिन पदों के संदर्भ में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि अबतक समाप्त नहीं हुई है, तो वैसे पदों के संदर्भ में आवेदन प्राप्ति की तिथि में परिवर्तन करते हुए तत्संबंधी परीक्षा संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर आयोजित की जाय।

उपर्युक्त अनुशंसा गठन के क्रम में माननीय मंत्री श्री चन्द्रप्रकाश चौधरी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र संख्या 601/आ0का0 दिनांक 29.02.2016 (अनु0 – 11) का अवलोकन भी समिति द्वारा किया गया। अन्ततः सभी सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई।

मैं अपनी लिखित [illegible] को साथ संलग्न कर रहा हूँ
Raj Kishor Mahato
31/3/16

31/3/16

(राजकिशोर महतो) स0वि0स0, झारखंड विधान सभा	(राधाकृष्ण किशोर) स0वि0स0, झारखंड विधान सभा	(प्रदीप यादव) स0वि0स0, झारखंड विधान सभा	(स्टीफन मरांडी) स0वि0स0, झारखंड विधान सभा	(आलमगीर आलम) स0वि0स0, झारखंड विधान सभा	(सरयू राय) मंत्री, संसदीय कार्य विभाग

Scanned with OKEN Scanner